नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

जंगल धूसड़-गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो.9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 02.01.2019

प्रकाशनार्थ

गोरखपुर की खुशहाली का रोडमैप रखेगा 'मन्थन'
गोरखपुर महोत्सव में इस बार भी होगी विमर्श की यह गतिविधि

– अतीत से अब तक शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, पर्यावरण, संचार, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों मे जिले की प्रगति पर शामिल होंगे लेख।
– भविष्य में जिले के तीव्र विकास के साथ आम आदमी की खुशहाली का खोजा जाएगा मार्ग गोरखपुर।

गोरखपुर महोत्सव में इस बार भी मन्थन के नाम से विमर्ष गतिविधि को शामिल किया गया है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजवंत राव और महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डा.प्रदीप राव के सम्पादन में मन्थन नाम से पत्रिका भी छपेगी। इस पत्रिका में विभिन्न लेखों के माध्यम से अतीत से अब तक शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, पर्यावरण, संचार, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में गोरखपुर के विकास का लेखाजोखा तो होगा ही भविष्य में तीव्र विकास के साथ आम आदमी की खुशहाली का रोडमैप भी होगा। इसके साथ ही गोरखपुर को सांस्कृतिक, औद्योगिक, नैतिक, धार्मिक, पर्यावरणीय और योजनात्मक प्रबंधकीय क्षमता से समृद्ध बनाने वाली शख्सियतों को भी याद किया जाएगा। पत्रिका के लेखों में गोरखपुर के अतीत की विरासत और वर्तमान के बोध के साथ–साथ भविष्य का रास्ता तय करने की कोशिश होगी। अपनी तपस्या, कृतित्व से गोरखपुर और आसपास के जिलों की भूमि को पवित्र, समृद्ध बनाने वाले गुरु गोरखनाथ, महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी, संतकबीर, मुंशी प्रेमचंद, फिराक गोरखपुरी, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज, शहीद बंधू सिंह, भाईजी हनुमान प्रसाद पोद्दार और महंत अवेद्यनाथ जी महराज सहित अन्य महान पूर्वजों को याद किया जाएगा। पत्रिका के सम्पादक डा.राजवंत राव और डा.प्रदीप राव ने बताया कि सम्पादन मंडल और लेखक दिन–रात जुटे हैं। इस बार उन विशयों को भी इसमें शामिल करने की कोशिश है जो पिछली बार छूट गए थे। कोशिश होगी कि विभिन्न क्षेत्रों के जानकारों के बीच मन्थन के जरिए वर्तमान की उपलब्धियों और चुनौतियों का निष्पक्ष मूल्यांकन कर एक ऐसा रोडमैप तैयार किया जाए जो गोरखपुर के नागरिकों को उन्नति और प्रसन्नता के चरम बिंदु तक ले जाए।

(डॉ0 राजेश शुक्ल)
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी